राजधानी में विकसित होंगे इंडस्ट्रियल पार्क, प्लेज योजना बन रही आधार

किसान पथ और कानपुर एक्सप्रेसवे के आसपास कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई, कारोबार के अनुरूप विकसित किया जाएगा इंफ्रास्ट्रक्चर

जागरण संवाददाता • लखनऊ : राजधानी में भी इंडस्ट्रियल पार्क विकसित होने की उम्मीदें बढ़ी हैं। किसान पथ और कानपुर एक्सप्रेसवे के आसपास इंडस्ट्रियल पार्क बनाने में औद्योगिक संगठनों के साथ ही उद्यमियों ने दिलचस्पी दिखाई है। इंडस्ट्रियल पार्क में औद्योगिक इकाइयों के लिए सभी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी, जिससे कारोबार में आसानी होगी। पीपीपी माडल पर निजी इंडस्ट्रियल पार्क की स्थापना के लिए सरकार की प्लेज योजना कारगर साबित हो रही है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बाद सरकार ने निजी कंपनियों को इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। उद्यमी इंडस्ट्रियल पार्क में दिलचस्पी दिखाएं इसके लिए सरकार ने प्रमोटिंग लीडरशिप एंड इंटरप्राइज फार डेवलपमेंट आफ ग्रोथ इंजन यानी प्लेज लागू की है। उपायुक्त उद्योग मनोज चौरसिया का कहना है कि प्लेज योजना के तहत निजी जमीन पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए सरकार बेहद कम ब्याज पर पैसा देगी। इसके लिए एक व्यक्ति या कई उद्यमी एक साथ मिलकर विकसित कर सकते हैं। प्रति एकड़ पार्क पर सरकार द्वारा बाउंड्री, पार्क, सड़क और इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए 50 लाख रुपये का लोन छह साल के लिए केवल एक प्रतिशत ब्याज पर देगी। विकसित औद्योगिक पार्क में न्यूनतम प्रति एकड़ एक इकाई को भूखंड आवंटित किया जाना अनिवार्य होगा और कुल विकसित औद्योगिक प्रयोजन की भूमि में से 75 प्रतिशत भूखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों के लिए आरक्षित होंगे। अगर 10 एकड़ का औद्योगिक पार्क विकसित किया जाएगा तो कम से कम 10 औद्योगिक इकाइयां स्थापित करनी होंगी। उपायुक्त का कहना है कि इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने के लिए कई उद्यमियों ने दिलचस्पी दिखाई है। बातचीत चल रही है, जल्द ही इस दिशा में आगे बढ़ा जाएगा।

वहीं इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन लखनऊ चैप्टर के अध्यक्ष विकास खन्ना का कहना है कि इंडस्ट्रियल पार्क विकसित होने से उद्यमियों को एक ही जगह पर सभी तरह की सुविधाएं मिलेंगी जिससे कारोबार करने में आसानी होगी।